RKDF UNIVERSITY, RANCHI

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, रांची

CBCS CURRICULUM OF HINDI HONOURS PROGRAMME

रूचि आधारित साख पद्धति हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम

Semester I

Core Course : C1

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)	UHN101

इकाई–1 हिन्दी मे ंसाहित्येतिहास लखेन की परम्परा, साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख समस्याएँ, हिन्दी साहित्य मे ंकाल विभाजन और नामकरण की समस्या।

इकाई –2 आदिकाल का नामकरण और काल सीमा, आदिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य परम्परा तथा पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता।

इकाई–3 आदिकाल के कवि – अमीर खुसरो, विद्यापति।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक – काव्य कुंज

संपादक – डॉ0 विन्ध्यवासिनी नन्दन पाण्डेय
डॉ0 अरूण कुमार
डॉ0 मिथिलेश कुमार सिहं

अनुशंसित पुस्तकें :–

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य की रूपरेखा : डॉ0 जयनारायण मंडल
हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुधेव सिहं
हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ0 सभापति मिश्र

आदिकालीन हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 महेन्द्र किशोर
हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 रणजीत सिंह

Core Course : C2

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल)	UHN102

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल)

इकाई–1 भक्ति आंदालेन की पृष्ठभूमि, भक्तिकाव्य का उद ्भव एवं विकास, भक्तिकाव्य की प्रवृत्तियाँ/विशेषताएं
इकाई –2 सतंकाव्य परम्परा, सूफी काव्य परम्परा, कबीर और जायसी।
इाकाई–3 कृष्णकाव्य परम्परा, राम काव्य परम्परा, सूरदास और तुलसीदास कबीर, सूर, तुलसी, और रसखान की कविताएं।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक – काव्य कुंज संपादक – डॉ0 विन्ध्यवासिनी नन्दन पाण्डेय,
डॉ0 अरूण कुमार,
डॉ0 मिथिलेश कुमार सिहं

अनुशंसित पुस्तकें :–

हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र (संपादक)
हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुदेव सिंह
भक्तिकाव्य की भूमिका : डॉ0 प्रेमशंकर
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त

Semester II

Core Course : C3

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल) एवं रीतिकालीन कविता	UHN201

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल) एवं रीतिकालीन कविता

इकाई –1 रीतिकाल का नामकरण और काल सीमा, रीतिकाल की परिस्थितियाँ, रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ।
इकाई –2 रीतिबद्ध काव्यधारा, रीतिसिद्ध काव्यधारा, रीतिमुक्त काव्यधारा।
इकाई –3 रीतिकाल के कवि –चिन्तामणि, मतिराम, बिहारी, घनान्द, पद्माकर भूषण की कविताएं

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : स्वर्ण मंजूषा संपादक– नलिनविलोचन शर्मा, केशरी कुमार

अनुशंसित पुस्तकें :–

हिन्दी साहित्य का इतिहास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी रीतिकाव्य : डॉ0 भगीरथ मिश्र
रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र
रीतिकाव्य का नया मूल्यांकन : डॉ0 जगदीश्वर प्रसाद बिहारी

Core Course : C4

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल) : भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग	UHN202

इकाई –1 आधुनिक काल की पीठिका, हिन्दी गद्य का विकास, भारतेन्दु का योगदान, 1857 का स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी नवजागरण।
इकाई –2 महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी उपन्यास और कहानी की परम्परा, हिन्दी एकांकी और नाटक की परंपरा, हिन्दी समीक्षा/आलोचना का उद्भव और विकास।
इाकाई –3 आधुनिक हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद का स्वरूप और विशेषताएं, और उसके बाद की हिन्दी कविता, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता।

नर्धारित पाठ्य पुस्तक–

पथिक : पं0 रामनरेश त्रिपाठी

काव्य वीथि : स0 डॉ0 विन्ध्यवासिनी नंन्दन पाण्डेय, डॉ0 अरूण कुमार, डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : सवैया और कवित।

मैथिलीशरण गुप्त : यशोधरा।

जयशंकर प्रसाद : भारत–महिमा, अरूण यह मधुमय देश हमारा, बीती विभावरी जाग री।

अनुशंसित पुस्तकें :–

आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नामवर सिंह

कविता के नए प्रतिमान : डॉ0 नामवर सिंह

छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह

आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी

Semester III

Core Course : C5

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	UHN301

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा नई कविता : उद्भव, विकास, प्रवृत्तियां एवं समान्य परिचय

निर्धारित कविताएँ :

1. दिनकर – वनफूलों की ओर, हिमालय का संदेश, मनुज का श्रेय।
2. अज्ञेय – कालगी बाजरे की, नदी के द्वीप, एक सन्नाटा बुनता हूँ
3. नागार्जुन – 26 जनवरी, 15 अगस्त, स्वदेशी शासक।
4. धूमिल – लोहे का स्वाद, मोचीराम, मैं हूँ।
5. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – नया वर्ष फिर आया, लीक पर वे चले, युद्ध–स्थिति।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकः काव्य वीथि – सं0 डॉ0 विन्ध्यवासिनी नंन्दन पाण्डेय
डॉ0 अरूण कुमार
डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह

अनुशंसित पुस्तकें :–

दिनकर : डॉ0 सावित्री सिन्हा (संपादक)
अर्धनारीश्वर दिनकर : डॉ0 कुमार विमल
दिनकर की साहित्य साधना : डॉ0 सतीश कुमार राय (संपादक)
अज्ञेय का कवि कर्म : रमेश चन्द्र शाह
अज्ञेय का संसार : अशोक वाजपेयी
कविता की मुक्ति : डॉ0 नंदकिशोर नवल
धूमिल का काव्य : डॉ0 चन्द्रभानु सोनवणे
स्वातंन्र्योत्तर कविता के पंचरत्न : डॉ0 लक्ष्मी सिंह

Core Course : C6

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	हिन्दी कथा साहित्य	UHN302

हिन्दी कथा साहित्य – हिन्दी कहानी, उपन्यास, का उद्भव और विकास एवं हिन्दी के विविध कहानी आंदोलन।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

गबन : प्रेमचन्द

रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल

कथा कुंज : डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय, डॉ0 हीरा नन्दन प्रसाद, डॉ0 रामेश्वर साहु

कफ़न : प्रेमचन्द

उसने कहा था : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

आकाश दीप : जयशंकर प्रसाद

ताई : विशम्भर नाथ शर्मा कौशिक

कारवां का व्रत : यशपाल

पत्नी : जैनेन्द्र कुमार

तीसरी कसम : फणीश्वर नाथ रेणु

शरणदाता : अज्ञेय

वापसी : उषा प्रियंवदा

दिल्ली में एक मौत : कमलेश्वर

परिन्दे : निर्मल वर्मा

अनुशंसित पुस्तकें :–

हिन्दी कहानी का इतिहास : डॉ0 मधुरेश

हिन्दी कहानी का इतिहास : डॉ0 गोपाल राय

हिन्दी कहानी के सौ वर्ष : डॉ0 वेदप्रकाश अमिताभ

हिन्दी कहानी के सौ वर्ष : डॉ0 दीनानाथ सिंह रागदरबारी का महत्व : डॉ0 मधुरेश (संपादित) रागदरबारी पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी (संपादित)

Core Course : C7

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	हिन्दी नाटक और अन्य गद्य विधाएं	UHN303

हिन्दी नाटक और अन्य गद्य विधाए

निर्धारित पुस्तकें :–

भारत–दुर्दशा : भारतेन्दु हरिश्चन्द

निबंध कुंज : सं0 डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय , डॉ0 हीरा नंन्दन प्रसाद, डॉ0 नरेन्द्र झा

साहित्य की महत्ता : महावीर प्रसाद द्विवेदी

कविता क्या है ? : रामचन्द्र शुक्ल

नाखून क्यों बढ़ते है ं? : हजारी प्रसाद द्विवेदी
ठकुरी बाबा : महादेवी वर्मा
सदाचार का ताबीज : हरिशंकर परसाई
लाल कनेर के फूल : धर्मवीर भारती
उद्यम और मनोरथ : पं छविनाथ पाण्डेय
गेहु ं और गुलाब : रामवृक्ष बेणीपुरी
राष्ट्र का स्वरूप : डॉ0 वासुदवे शरण अग्रवाल
तुम कब जाओगे अतिथि : शरद जोशी
सच्ची वीरता : सरदार पूर्ण सिंह

अनुशंसित पुस्तकें :–

भारत दुर्दशा – संवेदना और शिल्प : डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
भारत दुर्दशा का नया मूल्यांकन : डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय (संपादित)
भारतेन्दु हरिशचन्द : डॉ0 रामविलास शर्मा
भारतेन्दु के नाटक : डॉ0 भानुदेव शुक्ल
गद्य की नई विद्याओं का विकास : डॉ0 काजदा असर
साहित्यिक विधाएँ –पुनर्विचार : डॉ0 हरिमोहन
हिन्दी की नई विधाएँ : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया

Semester IV

SKILL ENHANCEMENT COURSE SEC 2

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	कार्यालयी हिन्दी	UHN401

इकाई–1 कार्यालय में हिन्दी प्रयुक्ति का महत्व, कार्यालयी पत्राचार, टिप्पण, प्रारूपण।

इकाई–2 कार्यालयी हिन्दी की अन्य प्रयुक्तियाँ– ज्ञापन, अनुस्मारक, अधिसूचना, विज्ञापन, निविदा, पृष्ठांकन।

इकाई–3 कार्यालयी हिन्दी की प्रयुक्तियों का अभ्यास, पत्राचार लेखन।

अनुशंसित पुस्तकें :–

कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग : डॉ0 गोपीनाथ श्रीवास्तव

कार्यालयीन हिन्दी : डॉ0 किशोरीलाल वर्मा

अनुप्रयुक्त राजभाषा : डॉ0 मणिक मृगेश

प्रशासनिक हिन्दी : डॉ0 पी. पी. आंडाल

राजभाषा हिन्दी : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया

राजभाषा हिन्दी : डॉ0 इकबाल अहमद

प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी

व्यावहारिक हिन्दी : डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय

कार्यालयी हिंदी : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी, अभिषेक अवतंस

राजभाषा संकल्प : डॉ0 मधु भारद्वाज

पारिभाषिक शब्दावलीः कुछ समस्याएँ : डॉ0 भोलानाथ तिवारी

Core Course: C8

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	भाषा विज्ञान	UHN402

व्याख्यान

इकाई–1 भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ/विशेषताएं, भाषा के अंग, भाषा और बोली में अंतर, भाषाओं का वर्गीकरण, भाषा अध्ययन की दिशाएँ।

इकाई–2 भाषाविज्ञान की शाखाएँ, ध्वनि परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन, पद और वाक्य, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास,लिपि का महत्त्व।

अनुशंसित पुस्तकें :–

भाषा विज्ञान की भूमिका : आ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा

राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ और समाधान : आ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा

भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी

भाषा विज्ञान की रूपरेखा : डॉ0 हरीश शर्मा

भाषा विज्ञान आ ैर भाषा के सिद्धांत : डॉ0 जितराम पाठक

आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ0 राजमणि शर्मा

भाषा विमर्श : डॉ0 पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु

हिंदी भाषा का विकास : डॉ0 गोपाल राय

सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ0 बाब ूराम सक्सेना

हिंदी भाषा का विकास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा

हिंदी विकास उद्भव आ ैर रूप : डॉ0 हरदेव बाहरी

रूप विज्ञान सिद्धान्त और विनियोग : डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह

भाषा साहित्य और इतिहास : डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 देवेन्द्र प्र0 सिंह डॉ0 जितेन्द्र वत्स

हिंदी भाषानुशासन : डॉ0 रामदेव त्रिपाठी

नागपुरी भाषा और उसके वृहत्तत्रयी : डॉ0 श्रवण कुमार गोस्वामी

ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं : डॉ0 बलराम तिवारी

हिंदी शब्द समूह. शब्द प्रयोग : डॉ0 नरेश मिश्र

हिंदी भाषा के विकसित ध्वनि वर्ण : डॉ0 रामदेव प्रसाद व्युत्पत्ति

विज्ञान सिद्धांत और विनियोग : डॉ0 ब्रजमोहन पांडेय नलिन

Core Course: C9

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	हिन्दी भाषा और नागरी लिपि	UHN403

इकाई –1 हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, हिन्दी की बोलियाँ, राष्ट्रभाषा हिन्दी, राजभाषा हिन्दी, विश्व भाषा हिन्दी, राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अंतर।

इकाई –2 नागरी लिपि का विकास, नागरी लिपि की वैज्ञानिकता, नागरी लिपि की समस्याएँ, नागरी लिपि में सुधार।

अनुशंसित पुस्तकें :–

हिन्दी भाषा का विकास : देवेन्द्र नाथ शर्मा

हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : देवेन्द्र नाथ शर्मा

हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास : डॉ0 अवधेश्वर अरूण

देवनागरी लिपि और राजभाषा हिन्दी : डॉ0 रमेशचन्द्र

हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : डॉ0 नरेश मिश्र

Core Course: C10

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	प्रयोजनमूलक हिन्दी	UHN404

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई –1 प्रयोजनमूलक भाषा क्या है? भाषा प्रयुक्ति के विविध रूप, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विभिन्न दिशाएँ, प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रासंगिकता।

इकाई –2 प्रशासनिक हिन्दी, व्यावसायिक हिन्दी, जनसंचार माध्यमों की हिन्दी, तकनीक हिन्दी, संविधान में हिन्दी की स्थिति, राष्ट्रभाषा हिंदी की दशा और दिशा।

अनुशंसित पुस्तकें :–

प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे

प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी

प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 कुमल कुमार बोस

प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 मुश्ताक अहमद

प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 दंगल झाल्टे

व्यवहारिक हिंदी : डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय

SEMESTER V

Core Course: C11

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	भारतीय काव्यशास्त्र	UHN501

भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई –1 काव्य की परिभाषा, काव्य के लक्षण, काव्य की आत्मा, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु।

इकाई –2 काव्य गुण, काव्य दोष, रस और उसक भेद, अलंकार की परिभाषा, अलंकारों का महत्व, ध्वनि।

इकाई –3 चयनित अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उमपा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिशयोक्ति, वक्रोक्ति, दीपक, संकर, विभावना, विशेषोक्ति।

अनुशंसित पुस्तकें :–

अलंकार मुकतावली : देवेन्द्र नाथ शर्मा

काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र

काव्यशास्त्र : डॉ0 कृष्णा रैना

वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी

भारतीय काव्य चिंतन : डॉ0 शोभाकान्त मिश्र

काव्य के तत्व : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा

काव्य प्रवृत्तियां भारतीय और पाश्चात्य : डॉ0 दीनानाथ सिंह

Core Course: C12

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	UHN502

इकाई –1 प्लेटो की काव्य धारणा, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त, लोंजाइन्स की उदात्त धारणा, कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

इकाई –2 आई0 ए0 रिचर्ड्स की मान्याताएं, टी. एस. इलियट की अवधारणाएँ, सम्प्रेषण, मनोविश्लेषण, बिम्ब, प्रतीक, मिथक सम्बन्धी विचारधाराएँ।

अनुशंसित पुस्तकें :–

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 निर्मल जैन

वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 सत्यदेव मिश्र

पाश्चात्य काव्यदर्शन : डॉ0 शंकर मुनि राय

पाश्चात्य काव्य चिंतन : डॉ0 करूणा शंकर उपाध्याय।

काव्य प्रवृत्तियां भारतीय और पाश्चात्य : डॉ0 दीनानाथ सिंह

HINDI SPECIFIC (DSE 1)

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	सूरदास एवं तुलसीदास	UHN502

सूरदास

इकाई– 1 सूरदास – जीवन और रचना संसार।

इकाई– 2 भ्रमरगीत सार (पद 1 से 21 तक)

तुलसीदास

इकाई– 1 तुलसीदास – जीवन और दर्शन।

इकाई– 2 तुलसीदास का रचना संसार।

इकाई– 3 रामचरितमानस (केवल सुंदरकांड)

निर्धारित पुस्तकें –

सूरदास

भ्रमरगीत सार– : सं0 रामचन्द्र शुक्ल

तुलसीदास

तुलसीदास– : सं0 रामचन्द्र शुक्ल

अनुशंसित पुस्तकें :–

भ्रमरगीत सार : सं0 रामचन्द्र शुक्ल

सूरसागर : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा

कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश

कबीर : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर की कविता और उनका समय : डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल

अकथ कहानी प्रेम की : डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल

सूर साहित्य : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी

हिन्दी भक्तिकाव्य और सूरदास : डॉ0 किशोरीलाल

सूर की काव्य चेतना : डॉ0 बलराम तिवारी

HINDI SPECIFIC (DSE 2)

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	कबीर दास एवं सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	UHN503

कबीर दास –

इकाई– 1 कबीर – जीवन और रचना संसार।

इकाई– 2 कबीर (पद 1 से 21 तक)

सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इकाई– 1 निराला– जीवन और रचना संसार।

इकाई– 2 निराला की कविताएं – सखि, वसन्त आया, ज ुही की कली, जागो फिर एक बार, बादल–राग, वर दे वीणावादिनी वर दे, भारती जय विजय करे, तोड़ती पत्थर, मौन रही हार, स्नेह–निर्झर बह गया है, गहन है यह अंधकार।

निर्धारित पुस्तकें –

कबीर दास कबीर – : आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' रागविराग – : डॉ0 रामविलास शर्मा

अनुशंसित पुस्तकें :–

कबीर : डॉ0 श्यामसुंदर दास

कबीर– एक नई दृष्टि : रघुवंश

कबीर : डा ॅ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर की कविता और उनका समय : डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल

अकथ कहानी प्रेम की : डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल

कबीर ग्रंथावली (सटीक) : डॉ0 रामकिशोर शर्मा

निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा महाकवि

निराला : डॉ0 बच्चन सिंह

SEMESTER VI

Core Course: C13

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	हिन्दी समीक्षा	UHN601

इकाई –1 हिन्दी समीक्षा का उद्भव और विकास, हिन्दी में शास्त्रीय समीक्षा, हिन्दी में स्वच्छन्दतावादी समीक्षा, हिन्दी में मार्क्सवादी समीक्षा।

इकाई –2 राचन्द्र शुक्ल, डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे बाजपेयी, डॉ नगेन्द्र, डॉ0 रामविलासशर्मा, डॉ0 नामवर सिंह का योगदान।

अनुशंसित पुस्तकें :–

हिन्दी आलोचना : डॉ0विश्वनाथ त्रिपाठी।

हिन्दी आलोचना का विकास : डॉ0 नंदकिशोर नवल

वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी

हिन्दी आलोचना – बीसवीं शताब्दी : डॉ0 रेवती रमण

हिन्दी आलोचना – समकालीन परिदृश्य : डॉ0 कृष्णादत्त पालीवाल

हिन्दी आलोचना – शिखरों का साक्षात्कार : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी।

हिंदी आलोचना कल और आज : डॉ0 केदार सिंह

काव्य निरूपण : डॉ0 विजय कुमार वेदालंकार

डा॰0 जंग बहादुर पाण्डेय

Core Course: C14

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	विश्वभाषा हिन्दी	UHN602

इकाई –1 राष्ट्रभाषा से विश्वभाषा की ओर हिन्दी, विश्वभाषा की शर्तें, संसार की भाषाओं के बीच हिन्दी की स्थिति, विश्वभाषा के रूप में हिन्दी की प्रगति।

इकाई –2 भूमण्डलीकरण का महत्त्व, भाषिक भूमण्डलीकरण की आवश्यकता, हिन्दी भाषा का भूमण्डलीकरण, हिन्दी का वैश्विक भविष्य, हिन्दी की दशा एवं दिशा।

अनुशंसित पुस्तकें :–

हिन्दी अतीत से आज तक : डॉ0 विजय अग्रवाल

भूमण्डलीकरण और हिन्दी : डॉ0 माणिक मृगेश

हिन्दी भाषा का भूमण्डलीकरण : डॉ0 सुषम बेदी

विश्व बाजार में हिन्दी : डॉ0 महीपाल सिंह

भाषाई अस्मिता और हिन्दी : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

विश्वपटल पर हिन्दी : डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित

भूमंडलीकरण का अमानवीय चेहरा : डॉ0 प्रभा दीक्षित

I. HINDI SPECIFIC (DSE 3):

अनुशासनिक विशिष्ट चयन (DSE 3):

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	लोक साहित्य एव ं हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा	UHN603

लोक साहित्य

इकाई– 1 लोकसाहित्य के परिभाषा एवं स्वरूप, लोकसंस्कृति अवधारणा, लोकसाहित्य और संस्कृति, लोकसाहित्य के संकलन की समस्याएं।

इकाई – 2 लोकसाहित्य के प्रमुख रूप, लोकगीत, लोक नाट्य, लोक कथा, लोकगाथा, लाकोक्ति।

हन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा

इकाई– 1 मैथिलीशरण गुप्त, सियाराम शरण गुप्त, माखनलाल चत ुर्वेदी, सोहनलाल द्विवेदी का जीवनवृत्त एवं रचना संसार।

इकाई– 2 रामधारी सिंह दिनकर, श्यामनारायण पाण्डेय, सुभद्रा कुमारी चौहान का जीवन वृत्त और रचना संसार। उपर्युक्त कवियों की चुनी हुई प्रतिनिधि राष्ट्रीय कविताएं।

निर्धारित पुस्तक – हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : सं0 डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय, डॉ0 हीरानन्दन प्रसाद

अनुशंसित पुस्तकें :

– लोक साहित्य की भूमिका : डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

लोक साहित्य और विविध आयाम एवं नई दृष्टि : डॉ0 जयश्री गावीत

लोकसाहित्य : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ0 श्रीराम शर्मा

लोकसाहित्य विज्ञान : डॉ0 सत्येन्द्र

लोकसाहित्य के सिद्धान्त औरभोजपुरी लेखन : डॉ0 आद्याप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा मैथिलीशरण गुप्त

एक पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 नगेन्द्र

गुप्त जी की काव्य साधना : डॉ0उमा कान्त

सियाराम शरण गुप्त व्यक्तित्व और कृतित्व : डॉ0 शिव प्रसाद मिश्र

I. HINDI SPECIFIC (DSE 4):

अनुशासनिक विशिष्ट चयन (DSE 4):

Program	Subject Title	Subject Code
हिन्दी प्रतिष्ठा	लोक साहित्य एव ं हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा	UHN604

साहित्य के नये विमर्श एवं प्रेमचन्द

साहित्य के नये विमर्श

इकाई – 1 अस्मिता केन्द्रित विमर्श की अनिवार्यता, हिन्दी में अस्मिता केन्द्रित विमर्श का स्वरूप हिन्दी में दलित विमर्श, हिन्दी में नारी विमर्श, हिन्दी में जनजातीय विमर्श, हिन्दी में स्त्री लेखन की पर ंपरा और विकास, स्त्री आत्मकथा का वैशिष्ट्य।

इकाई –2 हिन्दी में बाल विमर्श, हिन्दी में वृद्ध विमर्श, हिन्दी मे ं विकलांग विमर्श, हिन्दी के प्रमुख दलित लेखक, अस्मिता केन्द्रित विमर्श का भविष्य।

इकाई–3 दलित आत्मकथाए ं – जूठन : ओम प्रकाश वाल्मीकि
मुर्दहिया : तुलसी राम
एक कहानी यह भी : मन्नू भंडारी

प्रेमचन्द

इकाई –1 प्रेमचन्द का जीवन वृत एवं रचना संसार।

इकाई –2 प्रेमचन्द के उपन्यासों का वैशिष्ट्य, प्रेमचन्द का कहानियों का वैशिष्ट्य।

इकाई –3 प्रेमचन्द की सर्व श्रेष्ठ कहानियाँ – पंच–परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, वैर का अंत, आत्माराम, सुहाग की साड़ी, सद्गति, प्रेरणा, प्रारब्ध।

पाठ्य पुस्तक :–

निर्मला : प्रेमचन्द

प्रेमचन्द की सर्व श्रेष्ठ कहानियाँ : सं0 डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय, डॉ0 हीरानन्दन प्रसाद, डॉ0 नीरज कुमार

अनुशंसित पुस्तकें :–

साहित्य के नये विमर्श

स्त्री विमर्श का कालजयी इतिहास : संजय गर्ग (संपादित)

स्त्री विमर्श की उत्तर गाथा : डॉ0 अनामिका

स्त्री मुक्ति– संघर्ष और इतिहास : रमणिका गुप्ता

आदिवासी अस्मिता का संकट : रमणिका गुप्ता

आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य : डॉ0 कुमार वीरेन्द्र

विमर्श के प्रसंग : डॉ0 संपदा पांडेय

विमर्श के विविध आयाम : डॉ0 अर्जुन चह्वाण

दलित साहित्य – अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ : डॉ0 आमप्रकाश वाल्मिकि

प्र ेमचन्द

गोदानः अध्ययन की समस्याएं : डॉ0 गोपाल राय

गोदान गवेषणा : कपिलदेव सिंह,

पद्मनारायण,निशांत केतु गोदानः संवेदना और शिल्प :

डॉ0 चन्द्रेश्वर कर्ण गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन :

डॉ0 इन्द्रनाथ मदान गोदान का महत्व :

डॅ0 सत्यप्रकाश मिश्र पत्रकार पेमचन्द और हंस : डॉ0 पुष्पलता

डॉ0 रत्नाकर पाण्डेय प्रेमचंद विमर्श :

डॉ0 सतीश कुमार राय प्रेमचन्द अध्ययन की नयी दिशाए के खिलाड़ी :

डॉ0 कमल किशोर गोयनका,लोठार लुत्से प्रेमचन्द के उपन्यासों के गौण पात्र :

डॉ0 कुमारी मनीषा प्रेमचन्द की कालजयी कहानिया